सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनिति अपार्टमेंट, पटपडगंज,

दिल्ली – ११००९२ **सत्र: २०२५-२६**

कक्षा -७ विषय – (हिंदी पाठ्य पुस्तक) पाठ-१

क. मौखिक कौशल

1. नए-नए फूलों में सजकर नव वसंत मुसकराते हुए आता है।

2. सरस्वती पूजन फरवरी माह में किया जाता है।

3. चारों दिशाओं में अपनी मोहक और मीठी आवाज में गीत सुनाकर कोयल ने वसंत का स्वागत किया।

ख. लिखित कौशल

1. वसंत आने पर खेतों की क्यारियों में सरसों के फूल खिल जाते हैं और तिल के पौधे हरे-भरे हो जाते हैं। बगीचे विभिन्न प्रकार के मनोहारी फूलों गुलाब, गेंदा आदि से सज जाते हैं। चारों तरफ हरियाली देख आनंद और खुशी का माहौल होता है।

2.वसंत ऋतु में चारो ओर फैली हरियाली, सरस्वती पूजन की बेला पर खेलते-गाते बच्चे खुशी और समृद्धि का अहसास दिलाते हैं। प्राकृतिक सुंदरता और धन-धान्य से परिपूर्ण फसलें खुशहाली लाती हैं। इस प्रकार वसंत का खुशियों से परिष्ठ संबंध है।

3. यह फूलों का देश सुहाना से कवि का आशय यह है कि हमारे देश भारत का प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली की छटा अद्भुत है। यह देश फूलों से हरा- भरा तथा प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। यहाँ वसंत ऋतु रंग-बिरंगे फूलों के साथ हरियाली और समृद्धि लेकर आती है।

4. तेज़ बहती नदी कहती जाती है कि अपने जीवन पथ पर हमेशा आगे बढ़ते रहो। चाहे कोई भी मुश्किल आए कभी भी रुको मत। तुम सब बच्चे इस देश के वीर सिपाही हो।

5. 'मस्तक अभिमानी का अर्थ है कि तुम्हारा सिर गर्व से हमेशा ऊँचा रहे और आत्मगौरव की भावना कायम रहे।

2. (क) कोयल को मीठी आवाज सुनाई देने लगती है।

(ख) खेतों की क्यारी सरसों और तिलों से हरी-भरी हो जाती है।

(ग) फुलवारी गुलाब, गंदा, अरहुल आदि फूलों से सब लद जाती है।

(घ) सरोवर अर्थात तालाब में कमल के फूल खिल जाते हैं।

3. हमारा देश फूलों से हरा-भरा और प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है तथा तुम सभी बच्चे इसके रक्षक हो। तुम्हारा कर्तव्य है कि इस देश की सुंदरता को अक्षुण्ण बनाए रखों। कवि कह रहे हैं कि सभी मिलकर प्रण करो कि देश का गौरव हमेशा ऊँचा रहे और आत्न-गौरव की भावना कायम रहे।

मूल्यपरक प्रश्न

1.तेज बहती नदी देश के बच्चों को यह संदेश दे रही है कि तुम सब इस देश के वीर सिपाही हो। जीवन पथ में कभी रुकना नहीं और मुश्किलों के सामने कभी सिर झुकाना नहीं। हमेशा अपने जीवन में आगे ही बढ़ते रहना। आत्मविश्वास और धैर्य के साथ आगे बढ़ने से जीवन की कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं।

2. कवि ने बच्चों से वीर सिपाही बनकर देश की रक्षा करने तथा इसके गौरव और आत्मसम्मान से उठे मस्तक को हमेशा ऊँचा रखने का प्रण लेने के लिए कहा है।